ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :02.01.2024

नैनीताल(उत्तराखंड)के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन:2024-01-02 (अगले5 दिनों के8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	03/01/2024	04/01/2024	05/01/2024	06/01/2024	07/01/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	17.0	16.0	17.0	17.0	17.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	4.0	4.0	3.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	75	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	1	2	1	1	1
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	0	0	0

समसारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में बारिश की भविष्यवाणी नहीं की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 16.0-17.0 डिग्री सेल्सियस और 3.0-4.0 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। उत्तर-पश्चिम से 1-2 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की संभावना है। इस क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। क्षेत्र में 2, 3 और 4 जनवरी को घने कोहरे की सम्भावना के बारे में एक पीला अलर्ट दिया गया है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 29 दिसंबर से 04 जनवरी तक कम वर्षा की प्रवृत्ति को इंगित करती है और क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान में सामान्य और सामान्य से ऊपर रहने का संकेत देती है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोग कर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोग कर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। सिंचित घाटी में, टमाटर, शिमला मिर्च और बैंगन के पौधों के लिए मिट्टी उपचार के साथ-साथ पॉली हाउस की व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए। जलवायु परिस्थितियों के अनुसार अधिकृत बीजों का आयात किया जाना चाहिए। फसलों और अंतर-सांस्कृतिक कार्यों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है और 2, 3 और 4 जनवरी के लिए घने कोहरे की घटना के बारे में चेतावनी दी गई है इसलिए किसानों को आवश्यकतानुसार सिंचाई करने की सलाह दी जाती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित रूप से गुड़ाई और निराई की जानी चाहिए और रोग होने की स्थिति में उचित अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
तोरिया (लाही/घरिया) और पीली सरसों (राड़ा)	वानस्पतिक/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
गेहूँ	वानस्पतिक	असिंचित स्थिति में, फसल में निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए और सिंचित स्थिति में खरपतवार को नियंत्रित करने के लिए अनुशंसित खरपतवार नाशक का उपयोग किया जाना चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	गुड़ाई और निराई के लिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यक सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	नर्सरी	बीजों को तैयार नर्सरी में बोया जाना चाहिए और अंकुरित पौधों को पाले से बचाना चाहिए।
पालक	वानस्पतिक	सिंचित घाटी में सिंचाई के बाद मेथी, पालक (पालक) और धनिया में गुड़ाई करनी चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
आलू	वानस्पतिक	आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।
सेब, नाशपाती, आड़ू, बेर और खुमानी	पेड़	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	पाला/कोहरा होने पर, नियमित अंतराल पर खेतों में सिंचाई करनी चाहिए।